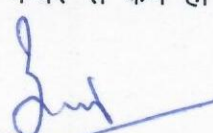



2017/00335

तारीख हुक्म	हुक्म वा कार्यवाही मय इनिशियल्स जज गृह फाईनेन्स लि./विदेशसिंह आदि किस्म मुकदमा विविध (रिव्यू प्रार्थना-पत्र) मुकदमा संख्या 57/17	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
18.12.2017	<p>पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी/कम्पनी के प्रतिनिधि द्वारा पुर्नविलोकन प्रार्थना-पत्र में वर्णित बिन्दुओं को दोहराते हुए कथन किया कि उक्त अनवानी प्रकरण में The Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 की धारा 14 के अंतर्गत प्रस्तुत प्रार्थना-पत्र को आदेश दिनांक 04.7.17 से यह उल्लेख करते हुए खारिज किया है कि बंधक शुदा सम्पति के संबंध में सिविल न्यायालय (क.ख.) श्रीकोलायत में सिविल वाद लंबित है, जबतक मूल वाद का निस्तारण नहीं हो जाता तबतक कंपनी के प्रार्थना-पत्र पर आदेश दिया जाना हम न्यायोचित नहीं पाते है। न्यायालय हाजा द्वारा की गई कार्यवाही को देखने से प्रथम दृष्टया "एरर अपेरेन्ट ऑन दा फेस ऑफ रिकॉर्ड" प्रतीत होता है। अतः पुर्नविलोकन प्रार्थना-पत्र स्वीकार कर आदेश दिनांक 04.7.17 दुरुस्त किया जावे।</p> <p>हमने पत्रावली का अवलोकन किया। प्रार्थी/कम्पनी के प्रतिनिधि की बहस पर मनन किया गया। पूर्व पारित आदेश में उन तथ्यों का परिशीलन/उल्लेख करते हुए गुणावगुण पर विनिश्चय किया गया है। मूल प्रार्थना-पत्र के निर्णय में जो अंकन किया गया है, उसे "एरर अपेरेन्ट ऑन दा फेस ऑफ रिकॉर्ड" नहीं माना जा सकता। प्रार्थी पूर्व आदेश से व्यथित है तो उसे वैकल्पिक उपचार उपलब्ध है। The Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 की धारा 14 के अंतर्गत इस न्यायालय को सीमित अधिकार है। उक्त अधिनियम के अंतर्गत रिव्यू के कोई प्रावधान नहीं है। प्रार्थी/कम्पनी के प्रतिनिधि यह स्पष्ट नहीं कर पाये कि आलोच्य आदेश में किस प्रकार की "एरर अपेरेन्ट ऑन दा फेस ऑफ रिकॉर्ड" (Error Apparent On the Face of Record) है, जिससे पूर्व आदेश में हस्तक्षेप किया जाना आवश्यक प्रतीत होता हो। अतः प्रार्थना-पत्र प्रार्थी स्वीकार किया जाना हम न्यायोचित नहीं पाते है।</p> <p>उपरोक्त विवेचन के आधार पर रिव्यू प्रार्थना-पत्र प्रार्थी/कम्पनी खारिज किया जाता है।</p> <p>आदेश आज दिनांक 18.12.17 को खुले न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो व बाद जाब्ता दाखिल दफ्तर हो।</p> <p style="text-align: center;"> (अनिल गुप्ता) जिला कलक्टर, बीकानेर जिला कलक्टर, बीकानेर</p>	 सत्यमेव जयते Web Copy - Not Official